Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:52 PM Page 1

प्रयास

विशेष प्रशिक्षण केन्द्र के उपयोग हेतु

शिक्षक प्रशिक्षण संदर्शिका

भाग-3

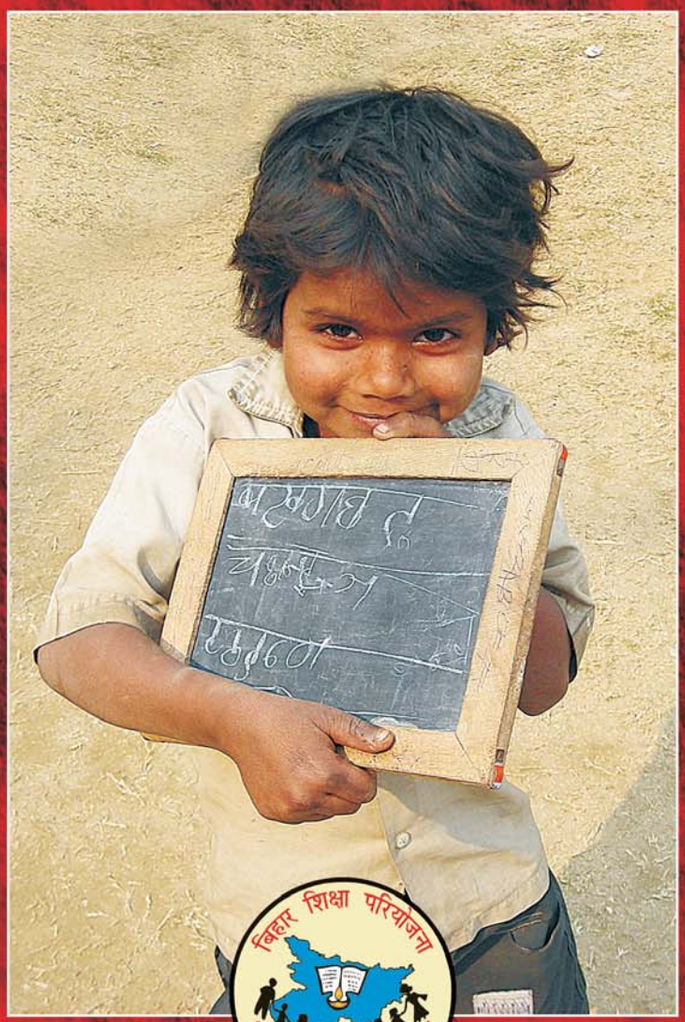

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद

शिक्षा भवन, राष्ट्रभाषा परिषद् परिसर, सैदपुर, पटना-4

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:52 PM Page 2

प्रार्थना

दे दे मेरे अधरों को ज्ञान-स्वर,
यही माँगते हम तुझसे वर।

निर्मल विचारों की सृष्टि दे,
व्यवहार, विद्या की दृष्टि दे।
पहचान मैं अपने को लूँ,
मुझे ऐसी सूक्ष्म दृष्टि दे।
चलूँ सत्य न्याय के मार्ग पर,
यही माँगते हम तुझसे वर।

मरूस्थल में या मधुवन में हो,
मन किन्तु अनुशासन में हो।
प्रतिबिम्ब हर आदर्श का,
इस छोटे से जीवन में हो।
स्वच्छ आचरण में ढले उमर,
यही माँगते हम तुझसे वर।

बने बाती जैसा ये तन मेरा,
हो तेल जैसा ये मन मेरा।
जलूँ और जग को प्रकाश दूँ,
दीये जैसा हो जीवन मेरा।
बलिदान की जो मेरी डगर,
यही माँगते हम तुझसे वर।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:53 PM Page 3

प्रयास

विशेष प्रशिक्षण केन्द्र के उपयोग हेतु

शिक्षक प्रशिक्षण संदर्शिका

भाग–3

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना

शिक्षा भवन, राष्ट्रभाषा परिषद् परिसर, सैदपुर, पटना-4

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:53 PM Page 4

प्रकाशक

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्

शिक्षा भवन, राष्ट्रभाषा परिषद् परिसर, सैदपुर, पटना–4

इमेल: ssabihar@hotmail.com

वेबसाईट : www.bepcssa.org

© बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना

अवधारणा, प्रबंधन एवं मार्गदर्शन

- दीपक कुमार सिंह, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी एवं
  बबन तिवारी, अपर राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी

संदर्शिका विकास कार्यशाला के प्रतिभागी

- धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना।
- नीरज कुमार, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना।
- रामप्रीत प्रसाद चौधरी, शिक्षक, वैशाली।
- अखिलेश कुमार सिंह, शिक्षक, वैशाली।
- कुमार सुनील सिंह, शिक्षक, मुंगेर।
- कार्तिक झा, शिक्षक, लखीसराय।
- राम सज्जन सिंह, शिक्षक, पटना।
- राज नन्दन पोद्दार, शिक्षक, अररिया।
- जय प्रकाश सिंह, विद्या भवन सोसाईटी, पटना ।
- राम बाबू आर्य, ज्ञान विज्ञान समीति, बिहार, पटना।
- जैनन्द्र कुमार, केयर इंडिया, पटना।

मुद्रण, आवरण एवं पृष्ठ–सज्जा

- संतोष कुमार श्रीवास्तव
  डिजाइन स्टूडियो, पटना, मो.- 8409999333

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:53 PM Page 5

राज्य परियोजना निदेशक की कलम से ...

सर्व शिक्षा अभियान के तहत विद्यालय से बाहर के बच्चों को विद्यालय से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया जिसके परिणाम अब मुखर होने लगे हैं।

वैकल्पिक एवं नवाचारी शिक्षा अपने उद्देश्यों की संप्राप्ति दिनानुदिन कर रही है। अपने हस्तक्षेपों को स्वावलम्बी और सशक्त बनाने के जो प्रयास इस संभाग द्वारा हुए उनमें ब्रिज मेटेरियल्स और शिक्षक संदर्शिकाएँ भी महत्वपूर्ण हैं।

प्रस्तुत प्रशिक्षण माड्यूल विशेष प्रशिक्षण केन्द्रों के संचालन, स्वयंसेवकों के दायित्वों एवं बच्चों के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ-साथ स्वयंसेवकों को सक्षम बनाने की दिशा में एक और प्रयास है।

मॉड्यूल निर्माण कार्यशाला से जुड़े पदाधिकारीगण एवं प्रतिभागी साधुवाद के पात्र हैं। सभी सुधिजनों से अपेक्षा है कि अपने बहुमूल्य सुझाव देकर आगामी प्रकाशन को और बेहतर बनाने में हमारा सहयोग करें।

राहुल सिंह, आई.ए.एस.
राज्य परियोजना निदेशक,
बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:53 PM Page 6

साधनसेवियों के लिए सामान्य निर्देश

- प्रशिक्षण के पूर्व सभी आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर लें।
- प्रशिक्षण प्रारंभ होने के पूर्व साधनसेवी आपस में प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर चर्चा करते हुए कार्यों का बंटवारा कर लें।
- प्रशिक्षण के पूर्व निबंधन पंजी, उपस्थिति पंजी तैयार कर लें।
- प्रतिभागियों के बैठने हेतु पर्याप्त स्थान, हवादार व प्रकाशयुक्त हो।
- प्रशिक्षण कक्ष में एक दीवार घड़ी अवश्य हो।
- प्रशिक्षण कक्ष की दो-तीन दीवारों के साथ रस्सी तनी होनी चाहिये एवम् उसके साथ पेपर क्लिप लगी रहनी चाहिये।
- प्रशिक्षण के प्रारंभ में ही प्रशिक्षण से संबंधित सारी बातें स्पष्ट कर देनी चाहिये।
- प्रशिक्षण सहभागिता आधारित हो। सभी प्रतिभागियों को बोलने का अवसर प्रदान करें।
- समूह का निर्माण खेल एवम् गतिविधियों से करें तथा प्रत्येक समूह का नाम शिक्षाविद्, लेखाक के नाम पर रखा सकते हैं।
- प्रशिक्षण में एकरसता को तोड़ने के लिए खेल, कविता, गीत, कहानी चुटकुले आदि का प्रयोग करें किन्तु अधिकता से बचे।
- प्रत्येक दिन सत्र समाप्ति के उपरांत पूरे दिन के कार्यों की समीक्षा 10 मिनट में सदन के अंदर करायें।

समय-सारणी

प्रथम सत्र	–	9.30 बजे पूर्वाह्न से 1.00 बजे अपराह्न तक
चाय	–	11.30 बजे पूर्वाह्न से 11.45 बजे पूर्वाह्न तक
भोजनावकाश	–	1.00 बजे अपराह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
दूसरा सत्र	–	2.00 बजे अपराह्न से 5.00 बजे अपराह्न तक
चाय	–	3.30 बजे अपराह्न से 3.45 बजे अपराह्न तक

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:54 PM Page 7

अनुक्रम

पहला दिन

प्रथम सत्र

- निबंधन
- प्रार्थना
- अभियान गीत
- प्रतिवेदन–लेखन
- डायरी–लेखन
- केन्द्र संचालन के अनुभव
- प्रशिक्षण के उद्देश्य

दूसरा सत्र

- पाठ्य–पुस्तक की समझ
- प्रयास हिन्दी भाग–३

चौथा दिन

प्रथम सत्र

- पाठ–प्रदर्शन एवं चर्चा

दूसरा सत्र

- अंग्रेजी भाषा की तैयारी
- अंग्रेजी प्रयास भाग–1 की तैयारी

दूसरा दिन

प्रथम सत्र

- भाषा– पाठ प्रदर्शन

दूसरा सत्र

- पर्यावरण – पाठ प्रदर्शन

तीसरा दिन

प्रथम सत्र

- गणित भाग–३ का पाठ–प्रदर्शन

दूसरा सत्र

- गणित भाग–३ की पाठ प्रस्तुति की तैयारी

पाँचवाँ दिन

प्रथम सत्र

- अंग्रेजी प्रयास भाग–1 का पाठ–प्रदर्शन

दूसरा सत्र

- मूल्यांकन
- मुख्यधारा से जुड़ाव
- उपचारात्मक शिक्षण
- चाइल्ड ट्रैकिंग

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:54 PM Page 8

शिक्षक–प्रशिक्षण संदर्शिका

भाग–3

का उपयोग

यह प्रशिक्षण संदर्शिका प्रतिभागियों में सूचना एवं कौशल विकसित करने में सहायक होगी। साथ ही, प्रशिक्षणोपरांत, प्रतिभागियों की अभिवृति में भी परिवर्त्तन नज़र आएगा।

प्रस्तुत संदर्शिका का उपयोग कर साधनसेवी प्रशिक्षण के लक्षण को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। इसके लिए आवश्यक होगा कि प्रशिक्षण प्रारंभ करने के पूर्व साधनसेवी इस संदर्शिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर लें। प्रत्येक दिन सत्र संचालन हेतु आवश्यक सामग्रियों की पूर्व में ही व्यवस्था कर लें। सत्र संचालन हेतु अपनायी गई विधियों की स्पष्ट समझ रखें तथा अगले दिन प्रशिक्षण संचालन क लिए आपस में कार्यों का बँटवारा कर लें।

इस संदर्शिका में प्रयास केन्द्र पर उपयोग में लाई जानेवाली पाठ्य पुस्तकों की पाठ्य–सामग्रियों के उपयोग की विधियों पर पर्याप्त बल दिया गया है अत: वर्गकक्ष विनिमयन में दक्ष बनाने के लिए भी यह मार्गदर्शिका सहायक होगी।

प्रयास भाषा की पुस्तक में सन्निहित पर्यावरण के तथ्यों का पाठानुसार वर्णन परिशिष्ट में किया गया है जिसका उपयोग प्रशिक्षण एवं वर्गकक्ष दोनों में सरलता से किया जा सकता है। अतएव इस परिशिष्ट का उपयोग प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से करें तथा इसका उपयोग कक्षा में करने हेतु प्रेरित करें।

साधनसेवी स्वयं समयनिष्ठ हों तथा प्रतिभागियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। महिलाओं का आदर करें। प्रशिक्षण कक्ष एवं आसपास स्वच्छ रखें। हर संभव प्रयास करें कि संप्रेषण दो तरफा हो। प्रतिभागियों के विचारों का आदर करते हुए उन्हें विचार अभिव्यक्ति का पर्याप्त अवसर दें।

प्रशिक्षण मे आए प्रतिभागियों की शैक्षिक आवश्यकताओं को समझ कर उसका समाधान करने का हर संभव प्रयास करें तथा समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर बल दें।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:54 PM Page 9

पहला दिन

प्रथम सत्र

निबंधन / प्रार्थना / अभियान गीत / प्रतिवेदन-लेखन / डायरी-लेखन

■ प्रतिभागियों का निबंधन निम्न बिन्दुओं के आलोक में दिये गए प्रारूप में करें :-

क्रम सं.	प्रतिभागियों के नाम	शैक्षिक योग्यता	केन्द्र का प्रकार	विद्यालय का नाम	संकुल संसाधन केन्द्र का नाम	प्रखंड	सम्पर्क नम्बर

नोट :

- निबंधन के पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि निबंधन उन्हीं प्रतिभागियों का किया गया है जो केन्द्र से विरमन-पत्र लेकर आए हैं।
- निबंधन के पश्चात् क्रमशः प्रतिभागियों को पैड, कलम आदि प्रशिक्षण-सामग्री उपलब्ध कराएँ।

अभियान गीत

साधनसेवी सभी प्रतिभागियों को घेरे में खड़ा होने का निर्देश दें -

- प्रत्येक दिन सत्र का प्रारंभ एक अभियान गीत से होगा।
- प्रथम दिन साधनसेवी की अगुआई में ऐसा किया जाएगा।
- अगले दिन से प्रतिभागी गण ही इस सत्र का संचालन करेंगे।
- परिशिष्ट से अभियान गीत का चयन कर अभियान गीत गवाएँ जाएंगे।

परिचय

- प्रतिभागियों की संख्यानुसार पर्चियाँ बना लें। उसपर क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 ..... (प्रतिभागियों की संख्या तक) अलग-अलग अंकित करें। अलग एक पृष्ठ पर उतनी ही संख्याएँ अंकित कर लें। संख्या लिखी सभी पर्चियाँ प्रशिक्षण-कक्ष के बीच में रख दें। अब एक-एक पर्ची सभी प्रतिभागियों को उठाने का निर्देश दें। बारी-बारी से प्रतिभागी को बुलाएँ। उन्हें किसी एक संख्या पर घेरा लगाकर उसे बोलने का निर्देश दें। पुकारी गयी संख्या वाले व्यक्ति के साथ पुकारने वाले व्यक्ति की जोड़ी बनाएँ। यह तब तक करें जब तक कि सभी संख्या पर घेरा नम्बर लग जाए। अब दोनों को एक दूसरे का परिचय निम्न बिन्दु के आलोक में प्राप्त करने का निर्देश दें :-

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:54 PM Page 10

नाम –

शैक्षिक योग्यता –

केन्द्र –

प्रखंड –

बच्चों को पढ़ाने के क्रम में आनेवाली कोई एक कठिनाई एवं उसका समाधान आपने कैसे किया बताइए (यथा–संक्षिप्त)

अब प्रत्येक जोड़ा को बारी–बारी से बुलाकर दोनों को अपने–अपने साथी का परिचय देने का निर्देश दें।

प्रतिवेदन–चयन एवं प्रतिवेदन–लेखन

साधानसेवी प्रतिवेदन–लेखान की प्रक्रिया बताते हुए स्पष्ट करें कि –

- प्रतिदिन प्रशिक्षण–कक्ष में की जानेवाली गतिविधियों को अंकित करना ही प्रतिवेदन है।
- प्रतिदिन दो प्रतिभागियों को स्वेच्छा से प्रतिवेदन–लेखान हेतु अपना नाम प्रस्तावित करना है तथा अगले दिन उसकी प्रस्तुति करनी है।
- प्रतिवेदन के प्रारंभ में स्थान, दिनांक तथा प्रशिक्षण का नाम अवश्य लिखा जाए।
- प्रत्येक दिन दो प्रतिभागियों का चयन क्रमशः पहले एवं दूसरे सत्र के लिए करें।

प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं उद्देश्य

साधानसेवी स्पष्ट करें कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है : –

- शिक्षकों को पाठ्य–पुस्तक के विनिमयन की पद्धति से अवगत कराना।
- पाठ्य–पुस्तक में निहित विषय वस्तुओं से परिचित कराना।
- बच्चों के समक्ष पाठों की रोचक प्रस्तुति कैसी की समझ उत्पन्न करना।
- मूल्यांकन की तकनीक से परिचय एवं प्रपत्रों को भरने की क्षमता उत्पन्न करना इत्यादि।

विशेष प्रशिक्षण क्या और क्यों?

विशेष प्रशिक्षण गैर–आवासीय–परिचय–लक्ष्य समूह, विशेषतार्थ

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:54 PM Page 11

द्वितीय दिन

- शिक्षा स्वयंसेवक के कार्य व दायित्व।
- शिक्षा स्वयंसेवक के गुण।
- स्थल चयन।

समुदाय की सहभागिता - बच्चों को केन्द्र भेजने में

- केन्द्र प्रबंधन।
- वातावरण निर्माण, केन्द्र की साज-सज्जा।

शैक्षिक सामग्री प्रबंधन

- Guideline, TLM, TLE (श्यामपट, चॉक, डस्टर इत्यादि)

समन्वय (सम्पर्क)

- CRC

विगत प्रशिक्षण के अनुभव एवं प्राप्त सबक

दूसरा सत्र

उद्देश्य -

- पूर्व प्रशिक्षण के तथ्यों की पुनरावृत्ति
- पूर्व प्रशिक्षण का वर्तमान प्रशिक्षण से जुड़ाव की समझ पैदा करना।
- पूर्व प्रशिक्षण में पश्चात् कार्य करने की क्षमता पर पड़नेवाले प्रभाव की जानकारी प्राप्त करना।

सामग्री - प्रयास - 1 और 2 मॉड्यूल की प्रति।

प्रक्रिया - साधनसेवी प्रतिभागियों के समक्ष प्रश्न रखें -

- प्रयास- 1 और 2 प्रशिक्षण में किन-किन बातों की जानकारी प्राप्त हुई थी?

प्रतिभागियों से प्राप्त बिन्दुओं को श्यामपट्ट / चार्ट पेपर पर समेकित करें।

प्रतिभागियों द्वारा उभरे बिन्दु हो सकते हैं :-

प्रतिभागियों द्वारा नहीं बताने की स्थिति में इन बिन्दुओं को जोड़ें :-

- सामुदायिक सहभागिता।
- सतत् व्यापक मुल्यांकन।
- बेस लाइन जाँच।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:55 PM Page 12

- बच्चे कैसे सिखते हैं, की समझ।
- सीखाने के कौन-कौन से तरीके हैं?
- अच्छे शिक्षक में कौन-कौन से कौशल होते हैं?
- भाषा की क्या-क्या कुशलताएँ होती हैं?
- प्रमुख गणितीय अवधारणा यथा - शून्य, इकाई-दहाई, स्थानीयमान, जोड़ एवं घटाव की जानकारी बेहतर ढंग से कैसे दें इत्यादि की समझ?
- पर्यावरण अध्ययन क्या है? इसका शिक्षण कैसे किया जाना चाहिए?
- पर्यावरण अध्ययन के अन्तर्गत किन-किन प्रक्रियाओं का इस्तेमाल होता है?
- पर्यावरण अध्ययन शिक्षण कैसे करें?
- टी.एल.एम. एवं गतिविधि क्या है?
- भाषा में पर्यावरण अध्ययन का जुड़ाव है। कैसे? इत्यादि।

अब प्रश्न पूछें कि - प्रयास-II प्रशिक्षण में आपने क्या सीखा?

- प्रयास-II गणित-II एवं अंग्रेजी-II की पाठ-पुस्तकों से परिचय।
- पाठ में निहित पाठ्य-सामग्रियों की समझ।
- पाठ को कैसे प्रस्तुत करें की समझ।
- बच्चों का मूल्यांकन एवं प्रगति पत्रक का संधारण कैसे करें?
- मुख्यधारा से जुड़ाव एवं चाइल्ड ट्रैकिंग का मतलब।
- उपचारात्मक शिक्षण की आवश्यकता क्यों?

अब स्पष्ट करें कि प्रयास-।।। के अन्तर्गत भी हमें पूर्व में ली गई उपर्युक्त जानकारियों का ध्यान रखते हुए आगे की बातों को उससे जोड़ना है। इसके तहत भी वर्ग कक्ष विनिमयन की तकनीक पर बातें होगी।

अब प्रतिभागियों से पूछें कि पूर्व के प्रशिक्षण से आपके कार्य करने के ढंग में क्या बदलाव आया?

इसका उत्तर सभी को काग़ज़ के पेज पर लिखाकर जमा करने का निर्देश दें। तदुपरांत इसे चार्ट पेपर पर समेकित कर प्रशिक्षण-कक्ष में प्रदर्शित करें। स्पष्ट करें कि प्रशिक्षण द्वारा हमारी जानकारी में वृद्धि होती ही है, अभिवृत्ति में भी परिवर्तन होता है।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:55 PM Page 13

भाषा की विधायें

उद्देश्य

- भाषा की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- भाषा-विकास में विधाओं के योगदान की समझ, उत्पन्न करना।

प्रक्रिया

साधनसेवी सर्वप्रथम किसी एक प्रतिभागी को बुलाकर किसी कविता को प्रस्तुत करने का निर्देश दें।

प्रस्तुति के उपरांत सदन के समक्ष इसी कविता की दूसरी प्रतिभागी से प्रस्तुति कराएँ?

तदुपरांत, दोनों प्रस्तुतियों में तुलना हेतु प्रश्न करें -

- कौन-सी प्रस्तुति अच्छी थी ?
- क्यों ?

इसी प्रकार, इसी प्रक्रिया को कहानी, चित्र-कथा लेखन, पत्र-लेखन, लोककथा इत्यादि हेतु दहराएँ।

अब प्रश्न पूछें -

इन माध्यमों के उपयोग से बच्चे क्या-क्या सीख सकते हैं?

प्रतिभागियों से उभरे बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर समेकित करें। स्पष्ट करें कि भाषा शिक्षण में इन्हीं विधाओं का उपयोग किया जाता है। इन माध्यमों से बच्चों में शुद्ध-शुद्ध बोलना एवं शुद्ध-शुद्ध पढ़ना आता है साथ ही इनमें इनकी रुचि भी होती है फलतः सीखना आसान हो जाता है। इसमें बच्चों को बार-बार उच्चारण करके अपने भावों को प्रकट करने का अवसर प्राप्त होता है। उसका शब्द-भंडार बढ़ता है। अतएव इन माध्यमों का मनोरंजक ढंग से उपयोग कर भाषायी कुशलताओं का विकास आसानी से किया जा सकता है।

रात्रि-कार्य

प्रयास हिन्दी भाग-3 की अभ्यास पुस्तिका का अध्ययन

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:55 PM Page 14

दूसरा दिन

प्रथम सत्र

प्रार्थना / अभियान गीत / प्रतिवेदन-लेखन / डायरी-लेखन

गतिविधि-I

उद्देश्य

- प्रयास हिन्दी भाग-3 की विषय-वस्तु की समझ पैदा करना।
- पाठ-प्रस्तुति की व्यवहारिक कुशलताओं की समझ पैदा करना।
- वर्ग कक्ष विनिमयन में दक्ष बनाना।

सामग्री

- चार्ट पेपर, स्केच पेन, श्याम पट्ट, चॉक, डस्टर इत्यादि।

प्रक्रिया

सदन को छः छोटे समूहों में विभाजित करें -

समूह	प्रदत्त विषय
समूह संख्या 01 -	कविता
समूह संख्या 02 -	कहानी
समूह संख्या 03 -	पत्र-लेखन
समूह संख्या 04 -	निबंध
समूह संख्या 05 -	लोककथा
समूह संख्या 06 -	चित्र कथा

सभी समूहों को प्रयास हिन्दी भाग-3 की पाठ्य-पुस्तक उपलब्ध करा दी जाए एवं निर्देश दिया जाए कि प्रस्तुत पाठ्य-पुस्तक में से किसी एक विधा की विषय-वस्तु निर्धारित की जाए एवं पाठ-योजना निम्न बिन्दुओं के आलोक में तैयार की जाए।

- पाठ का नाम।
- उद्देश्य।
- सहायक सामग्री एवं टी.एल.एम.।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:55 PM Page 15

- शिक्षण विधि।
- प्रस्तावना।
- क्रियाशीलन – (क) शिक्षक (ख) छात्र
- मूल्यांकन

अवंटित पाठों की तैयारी के लिए 15 मिनट का समय दिया जाए।

पाठ-प्रस्तुति को और भी प्रभावी बनाने के लिए सदन से सुझाव आमंत्रित किये जाएँ।

प्रत्येक प्रस्तुति के लिए 20 मिनट का समय आवंटित किया जाए तत्पश्चात् साधनसेवी प्राप्त विचारों / चर्चाओं का समेकन करते हुए विषय वस्तु को और अधिक स्पष्ट करें।

प्रत्येक प्रस्तुति पर प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन एवं और प्रभावी बनाये जाने वाले विचारों का स्वागत किया जाए।

प्रत्येक प्रस्तुति एवं चर्चाओं को निश्चित समयावधि में पूर्ण कर लिया जाए।

गणित का दैनिक जीवन में उपयोग

उद्देश्य –

- दैनिक जीवन में गणित के जुड़ाव को समझना।

सामग्री – चार्ट पेपर, फ्लैश कार्ड, आदि।

प्रक्रिया –

साधनसेवी प्रतिभागियों के बीच प्रश्न रखें कि निम्न प्रश्नों में किन गणितीय पहलुओं का समावेश है, और उनसे प्राप्त उत्तरों को श्यामपट्ट पर अंकित करें। प्रश्न हो सकते हैं–

- घड़ी का समय जानने में।
- धोबी को कपड़ा देने में।
- सब्ज़ी खरीदते समय।
- दूकान में सामान के बदले मूल्य चुकाते समय।
- दूधवाले का दूध पहुँचाने में।
- पेट्रोल पम्प पर गाड़ी में तेल भरवाते समय।
- रसोई घर में खाना बनाने में।
- टेलीफोन कॉल करने में।
- आने वाले मेहमानों के आतिथ्य में।
- मकान बनवाते समय।

- कपड़ा खरीदने और सिलाई के लिए देते समय।
- यात्रा में टिकट ख़रीदते समय।
- मरीज़ को दवा खिलाने में।

साधनसेवी प्राप्त उत्तरों में से गणितीय पहलुओं को श्यामपट्ट पर अंकित करते जाएँ।

अब चर्चा करें कि क्या इन गणितीय पहलुओं की उपेक्षा करके कोई अपना काम कर सकता है?

निष्कर्ष रूप में यह स्पष्ट करें कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में गणित का जुड़ाव होता है।

साधनसेवी अपनी बात को बढ़ाने के लिए कुछ प्रतिभागियों से माचिस की डिबियाँ, ईंट, रोटी, पराठे, समोसे, पहिया, बेलन आदि का चित्र श्यामपट्ट पर बनाने का निर्देश देकर उनसे आकृतियों को ज़्यामितीय चित्रों से जोड़कर भी दैनिक जीवन में गणितीय पक्ष की उपस्थिति को दर्शा सकते हैं। क्योंकि ये चित्र त्रिभुज, वृत्त, घन, वर्ग, आयत, बेलन, आदि की प्रतिकृति है। अत: जीवन में हरेक कदम पर गणित है।

गणित भाग-3 की तैयारी

दूसरा सत्र

गतिविधि-।

उद्देश्य -

- गणित भाग-3 के कठिन बिन्दुओं की समझ पैदा करना।
- गणित भाग-3 के संक्रियाओं की समझ पैदा करना।
- गणित भाग-3 के विषयों के वर्ग कक्ष विनियम की समझ पैदा करना।

सामग्री - चार्ट पेपर, स्केच पेन, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर इत्यादि।

प्रक्रिया - साधनसेवी गणित भाग-3 की पाठ्य-पुस्तक प्रतिभागियों को चार-चार के समूहों में विभाजित कर उपलब्ध कराएँ। पाठ्य-पुस्तकों को निम्न बिन्दुओं के आलोक में अध्ययन करने के लिए कहें। प्रत्येक समूह को पाठ आवंटित कर स्वाध्याय के लिए 20 मिनट का समय दे दें।

- इस पाठ के कठिन-बिन्दु कौन-कौन हैं?
- इस पाठ में कठिन-बिन्दु क्यों है?

■ इस पाठ में कठिन-बिन्दु किसके लिए हैं?

साधनसेवी पाठ के अनुसार कठिन बिन्दुओं की सूची तैयार करें और साथ-ही इसके अधिगम को सरल बनाने की विधि बताएँ।

प्रत्येक समूह द्वारा सूचीबद्ध किये गये कठिन बिन्दुओं की प्रस्तुति कराई जाए जिसमें से किसी एक कठिन-बिन्दु को सरल करने के विधि पर भी चर्चा हो।

प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के पश्चात् सदन से उस कठिन-बिन्दु पर किसी दूसरी विधि का भी प्रदर्शन सदन की ओर से हो।

प्रत्येक प्रस्तुति का सार संक्षेप लिखा जाय जिसमें कठिन बिन्दु, प्रक्रिया / विधि, सामग्री इत्यादी ज़रूर लिखें जाएँ।

धन्यवाद ज्ञापन कर दूसरी गतिविधि करें।

प्रयास गणित भाग-3 के पाठ प्रदर्शन की तैयारी

गतिविधि-II

उद्देश्य -

- विषय-वस्तु के कार्यान्वयन की समझ पैदा करना।
- वर्ग-कक्ष विनियम की समझ पैदा करना।
- वास्तविक स्थिति में कक्षा-संचालन की समझ पैदा करना।

सामग्री - चार्ट पेपर, स्केच पेन, गत्ता, काग़ज़, मिट्टी की गोली, डिब्बा, मीटर / फिट, स्केल, ग्लास इत्यादि।

प्रक्रिया - साधनसेवी प्रयास गणित भाग-3 की पाठ्य-पुस्तक के आवंटित पाठों को निम्न बिन्दुओं के आलोक में पाठ-प्रदर्शन के लिए तैयार करें।

- इस पाठ के अधिगम बिन्दु क्या हैं?
- इसकी गतिविधि और टी.एल.एम. क्या होगी?
- इसकी प्रक्रिया क्या होगी?

साधनसेवी पूरे सदन को आठ समूहों में विभाजित करें और निम्न बिन्दुओं के आलोक में पाठ तैयार करने को कहें।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:56 PM Page 18

समूह	आवंटित पाठ
समूह संख्या 01 –	पाठ 01 से 05 तक
समूह संख्या 02 –	पाठ 06 एवं 10
समूह संख्या 03 –	पाठ 07 से 09 तक
समूह संख्या 04 –	पाठ 11 से 13 तक
समूह संख्या 05 –	पाठ 15 से 16 तक
समूह संख्या 06 –	पाठ 17
समूह संख्या 07 –	पाठ 18
समूह संख्या 08 –	पाठ 19

प्रत्येक समूह को 20 मिनट का समय आवंटित किया जाए।

प्रत्येक समूह चार्ट पेपर पर आवंटित पाठों में से किसी एक विषय-वस्तु का चयन कर पाठ-प्रस्तुति की तैयारी करें।

प्रत्येक समूह के प्रस्तुति के पश्चात् निम्न बिन्दुओं के आलोक में चर्चा कर समेकित करें।

- वातावरण निर्माण कैसे हुआ?
- प्रस्तावना के लिए किस क्रिया का सहारा लिया गया?
- विषय-वस्तु का विनिमयन कितना और कैसा था?
- कौन-कौन से शिक्षण कौशलों का उपयोग हुआ?
- गतिविधियाँ एवं टी.एल.एम. का विषय-वस्तु के अनुसार कितना उपयोग हो रहा था?
- पूरे पाठ-प्रस्तुति में गणितीय संक्रियाओं की क्रमबद्धता कैसी थी ?

पाठ-प्रस्तुति के क्रम में पूर्व में निर्मित समूह दूसरे दल का अवलोकन उक्त बिन्दुओं के आलोक में करें तथा प्रत्येक प्रस्तुति के पश्चात् इस दल की प्रस्तुति अवश्य करा ली जाए।

रात्रि-कार्य

प्रयास गणित भाग-3 की अभ्यास पुस्तिका का अध्ययन

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:56 PM Page 19

तीसरा दिन

प्रथम सत्र

प्रार्थना / अभियान गीत / प्रतिवेदन-लेखन / डायरी-लेखन
विगत निर्देश के आलोक में पाठ-प्रदर्शन

दूसरा सत्र

पर्यावरण अध्ययन

उद्देश्य

- बच्चों में पर्यावरण की जानकारी का महत्त्व, की समझ।
- भाषा के विभिन्न पाठों का पर्यावरण से अन्तर्सम्बंध की समझ।

प्रक्रिया – साधनसेवी प्रतिभागियों को संख्यानुसार 5-6 समूह में विभक्त कर लें। प्रत्येक समूह को एक-एक प्रश्न आवंटित करते हुए उन्हें 10 मिनट का समय दें। अब बारी-बारी से समूह की प्रस्तुति कराएँ।

प्रश्न निम्नवत् हो सकते हैं –

- अगर घर की साफ-सफाई न करें तो क्या होगा ?
- समाज में नाई न हो तो क्या होगा?
- समाज में धोबी न हो तो क्या होगा?
- रेडियो/टेलीविज़न न हो तो क्या होगा?
- लोहे से बनी वस्तुओं का उपयोग बंद कर दें तो क्या होगा?
- 24 घंटे दिन ही हो, तो क्या होगा?
- चूहे न हों तो क्या होगा?
- मोटरगाड़ियाँ न चलें तो क्या होगा?
- डाकघर / अरपताल बंद हो जाएँ तो क्या होगा?

प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के बाद उसके निष्कर्ष को श्यामपट्ट पर अंकित करते जाएँ। सभी समूहों की प्रस्तुति के बाद यह स्पष्ट करें कि हमारे बीच मौजूद छोटी-बड़ी सभी चीज़ों का अपना महत्त्व है और सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। अत: बच्चों में यह समझ अवश्य विकसित की जानी चाहिए कि हमारे पर्यावरण में उपस्थित प्रत्येक वस्तुएँ, क्रिया-कलाप एक दूसरे को जोड़ती हैं और जीवन गतिमान रहता है।

भाषा के विभिन्न पाठों का पर्यावरण से संबंध

उद्देश्य

- भाषा की पुस्तकों में भी पर्यावरण के तथ्य हैं, की समझ विकसित करना।
- पर्यावरण के विभिन्न तथ्यों एवं उसका वर्ग-कक्ष विनिमयन के तरीकों से अवगत कराना।

विधि – प्रयास भाषा भाग-2 की पाठ-पुस्तक।

प्रक्रिया – प्रतिभागियों को छह समूह में विभाजित कर दें। सभी समूह के बीच प्रयास भाषा भाग-2 की पाठ्य-पुस्तक वितरित कर निम्न प्रपत्र के आलोक में कार्य करने का निर्देश दें।

पाठ का नाम	पर्यावरण शिक्षण के बिन्दु	संभावित प्रश्न	क्या करना होगा? (क्रियाशीलन)

समूह	आवंटित पाठ
समूह संख्या 01 –	पाठ 01 से 03 तक
समूह संख्या 02 –	पाठ 04 से 06 तक
समूह संख्या 03 –	पाठ 07 से 09 तक
समूह संख्या 04 –	पाठ 10 से 12 तक
समूह संख्या 05 –	पाठ 13 से 15 तक
समूह संख्या 06 –	पाठ 16 से 18 तक
समूह संख्या 07 –	पाठ 19 से 21 तक

तदुपरांत प्रत्येक समूह की प्रस्तुति कराएँ। स्पष्ट करें कि पर्यावरण के लिए कोई अलग से पुस्तक निर्धारित नहीं है। हमें भाषा की पुस्तक से पर्यावरण के तथ्यों को तलाशकर उसकी जानकारी बच्चों तक पहुँचाना है। इसके लिए हमें पाठ में निहित पर्यावरण के शिक्षण बिन्दु जानना होगा तथा उन्हें स्पष्ट करने हेतु प्रश्न एवं क्रियाशीलन की रूपरेखा

तय करनी होगी। परिशिष्ट में दिए भाषा में सन्निहित पर्यावरण के तथ्य को आधार बनाकर प्रत्येक पाठ के आलोक में पर्यावरण के तथ्यों की चर्चा करें। इसके लिए परिशिष्ट में दी गयी सामग्री प्रत्येक समूह को उपलब्ध करायें।

तदुपरांत पूर्वनिर्मित सभी समूहों को एक-एक पाठ की पाठ प्रस्तुति की तैयारी कर उसे प्रस्तुत करने का निर्देश दें। तैयारी हेतु 15 मिनट का समय दें - यथा

पाठ	समूह संख्या
देश की माटी देश का जल	1
रक्षा-बंधन	2
पानी	3
टिपटिपवा	4
बिल्ली कैसे रहने आयी आदमी के संग	5
मित्र को पत्र	6

साधनसेवी ऊपर की तरह अपने स्तर से भी समूहों को पाठ आवंटित कर सकते हैं?

पाठ प्रस्तुति : पर्यावरण अध्ययन

सभी समूहों की पाठ प्रस्तुति कराएँ। प्रत्येक प्रस्तुति के उपरांत प्रस्तुति की अच्छाइयाँ एवं कमज़ोरियाँ पर चर्चा कर स्पष्ट करें कि पर्यावरण शिक्षण के क्रम अवलोकन के पर्याप्त अवसर बच्चों को उपलब्ध कराया जाए ताकि बच्चा सूचनाओं का संकलन करें विश्लेषण करे एवं किसी निष्कर्ष पर पहुँचने का प्रयास करें। इस प्रक्रिया द्वारा प्राप्त ज्ञान स्थायी एवं व्यवहारिक होता है तथा इसका उपयोग बच्चा भावी जीवन में आसानी से कर सकता है। प्रस्तुत सभी पाठ को अवलोकन, संकलन, वर्गीकरण, विश्लेषण आदि से जोड़कर प्रस्तुत करें तथा बच्चों के लिए इस प्रक्रिया की उपयोगिता को ऊपर वर्णित तथ्यों के आलोक में स्पष्ट करें।

रात्रि-कार्य

प्रयास हिन्दी-3 के Work Book का अध्ययन।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:57 PM Page 22

चौथा दिन

प्रथम सत्र

प्रार्थना / अभियान गीत / प्रतिवेदन–लेखन / डायरी–लेखन

पाठ प्रस्तुति – पर्यावरण अध्ययन–1

(तीसरे दिन का शेष)

द्वितीय सत्र

Prayas English Part-II

उद्देश्य

- अंग्रेजी–शिक्षण में आने वाली कठिनाइयों की समझ उत्पन्न कराना।
- अंग्रेजी बोलने एवं लिखाने की संभावित कठिनाइयों से अवगत कराकर उसका संभावित समाधान बताना।

सामग्री

- Prayas English Part-II & III की प्रतियाँ

प्रक्रिया – साधनसेवी प्रतिभागियों से प्रश्न पूछें –

- Prayas English Part-II को पढ़ाने में आपको किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

सदन से आयी कठिनाइयों को श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ।

संभावित कठिनाइयाँ कुछ इस प्रकार हो सकती हैं –

i) कैपिटल लेटर से स्मॉल लेटर तक आने में।

ii) एक ही वर्ण की अलग–अलग ध्वनि का होना –

जैसे; 'क' हेतु 'K' और 'C'
'स' हेतु 'S' और 'C'
'ज' एवं 'ग' हेतु 'G'
'क' एवं 'च' हेतु 'CH' इत्यादि

साधनसेवी सभी प्रतिभागियों को समूह में बाँटकर प्रयास अंग्रेजी–3 पुस्तक उपलब्ध कराकर 15 मिनट का समय स्वाध्याय के लिए दें।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:57 PM Page 23

अब पुन: पूछें–

- Prayas English Part-III को पढ़ाने में संभावित कठिनाइयाँ क्या-क्या हो सकती हैं?

  उभरे बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखाते जाएँ।

  संभावित कठिनाइयाँ निम्नवत् हो सकती हैं –

- लिखे हुए शब्दों के अनुसार उनका उच्चारण न होना। जैसे; Know के उच्चारण में 'K' का Silent होना। ऐसे ही Knife के उच्चारण में 'K' का Silent होना। Man को 'मैन' और Woman को 'वुमैन' पढ़ा जाना। 'Meat' (माँस) 'Meet' (मिलना) दोनों के Spellings भिन्न होते हुए भी उच्चारण का एक होना। Girl एवं Milk में 'i' की भूमिका की भिन्नता देखी जा सकती है। 'Girl' में 'i' Silent है तो Milk में 'i' अपनी ध्वनि के साथ मुखर है। 'Write' एवं 'Right' के Spellings भिन्न होने के बावजूद उच्चारण समान है। 'Sleep' एवं 'These' में 'e' की ध्वनि भिन्न है Sleep में 'ee' दीर्घ 'ई' का उच्चारण दे रही है तो 'These' में 'e' ही दीर्घ 'ई' का उच्चारण दे रही है। 'Cow' एवं 'Crow' में देखें तो Cow में 'O' ह्रस्व 'उ' की ध्वनि तो 'Crow' में 'ओ' की ध्वनि दे रहा है।

  पुस्तक को पढ़ाते समय ऐसे अन्य अनेक उदाहरण देखे जा सकते हैं।

- सदन से ही पूछें कि जिनके सामने ऐसी कठिनाइयाँ आयीं उन्होंने उनका समाधान किस प्रकार किया?

  समाधान बताने वालों की बातों से प्रतिभागियों को ध्यान से सुनने का निर्देश दें। तदुपरांत चर्चा को समेकित करते हुए स्पष्ट करें कि –

  प्रत्येक भाषा की अपनी प्रकृति होती है। उसी के अनुसार उसका उच्चारण एवं लेखन चलता है। अंग्रेजी चूँकि अन्तरराष्ट्रीय भाषा है – प्रत्येक भाषा की विशेषता यह होती है कि उसके बोलने में सहजता होनी चाहिए। यदि Know को 'नो' न बोलकर 'क्नो' बोला जाए तो बोलने में असहजता आ जाएगी। ऐसे अन्य अनेक उदाहरण हो सकते हैं।

  वर्तमान समय के साथ-साथ चलने हेतु भूमंडलीय चुनौतियाँ स्वीकार करते हुए उसके अनुरूप अपने को ढालने हेतु अंग्रेजी का महत्त्व आज सर्वाधिक हो गया है।।

पाँचवाँ दिन

प्रथम सत्र

प्रार्थना / अभियान गीत / प्रतिवेदन–लेखन / डायरी–लेखन

Prayas English Part-3 की तैयारी

उद्देश्य

- अंग्रेजी–शिक्षण में आने वाली कठिनाइयों की समझ उत्पन्न कराना।
- अंग्रेजी बोलने एवं लिखने की संभावित कठिनाइयों से अवगत कराकर उसका संभावित समाधान बताना।

सामग्री

- Prayas English Part-III की प्रतियाँ

प्रक्रिया –

- अब प्रतिभागियों को आठ लघु समूहों में विभक्त कर निम्नवत् कार्य का बँटवारा कर दें –

समूह	निर्धारित कार्य
समूह संख्या 01 –	पाठ 01 से 04 तक एवं 17
समूह संख्या 02 –	पाठ 05 से 06 तक एवं 18
समूह संख्या 03 –	पाठ 07 से 09 तक एवं 19
समूह संख्या 04 –	पाठ 10 से 11 तक एवं 21
समूह संख्या 05 –	पाठ 12, 22 एवं 23
समूह संख्या 06 –	पाठ 13 एवं 24
समूह संख्या 07 –	पाठ 14 एवं 15
समूह संख्या 08 –	पाठ 16 एवं 25

साधनसेवी यह ध्यान रखेंगे कि उपरोक्त आवंटित कार्य के अतिरिक्त प्रत्येक समूह को एक–एक कविता भी आवंटित किया जाए।

समूह एवं कार्य-विभाजन के पश्चात् समूह के निम्न बिन्दुओं के आलोक में कार्य करने हेतु निर्देश दें -

- पाठ को पढ़ने के उपरान्त बच्चे क्या-क्या सीखेंगे अर्थात् उनमें किन-किन दक्षताओं का विकास होगा? सूची बनाइए।
- उक्त पाठ / पृष्ठ को पढ़ाने हेतु किन-किन सहायक शिक्षण अधिगम सामग्रियों की आवश्यकता पड़ेगी? सूची बनाइए।
- निर्देश दें कि प्रदत्त पृष्ठ के पाठों की प्रस्तुति करके दिखाइए कि उन्हें बच्चों को कैसे सिखाएँगे? एक से अधिक अधिगम बिन्दु के अलग-अलग पृष्ठ की प्रस्तुति एक ही समूह के अलग-अलग व्यक्ति करेंगे।

  तैयारी हेतु तीस मिनट का समय दें जिसमें समूह का प्रत्येक व्यक्ति मिलकर विकसित दक्षताओं की सूची, शिक्षण सामग्रियों की सूची एवं प्रस्तुति की तैयारी करेंगे।

  तैयारी के पश्चात् क्रमशः पाठ-प्रस्तुति कराएँ तथा प्रस्तुति के पश्चात् प्रस्तुति की अच्छाइयों एवं कमियों पर चर्चा कराते हुए प्रतिभागियों से प्रश्न पूछें कि इस प्रस्तुति को और बेहतर कैसे बनाया जाए?

  उभरे बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर अंकित कर चर्चा को समाप्त करें।

दूसरा सत्र

कक्षा पाँच तक की पाठ्य पुस्तकों से परिचय

उद्देश्य

- औपचारिक शिक्षा हेतु प्रयुक्त पुस्तकों का कक्षा-iv एवं कक्षा-v तक की पाठ्य-पुस्तकों से परिचित कराना।
- पाठ्यपुस्तक के तथ्यों को स्पष्ट करना।
- केन्द्र पर उपयोग में लाई गई सामग्री एवं पाठ्य-पुस्तक में सम्मिलित तथ्यों के बीच अंतर को स्पष्ट करना।

सामग्री

- कक्षा-iv एवं कक्षा-v की पाठ्य-पुस्तकें।

प्रक्रिया -

- साधनसेवी प्रतिभागियों को आठ समूहों में विभाजित करें। सभी के बीच प्रदत्त

कार्य के अनुसार पुस्तकों का वितरण करें। कार्य का विभाजन निम्न प्रकार से करें

समूह संख्या	आवंटित विषय	कक्षा
1.	भाषा	v
2.	गणित	v
3.	सामा. पर्या.	v
4.	विज्ञान	v
5.	भाषा	iv
6.	गणित	iv
7.	सामा. पर्या.	iv
8.	विज्ञान	iv

निम्न प्रश्न के आलोक में कार्य करने का निर्देश दें –

- कक्षा–iv एवं कक्षा–v के पाठ्य पुस्तक के विषय वस्तु एवं प्रयास–III के विषय–वस्तु में कितनी समानता एवं कितना अंतर है?
- प्रयास में छूट रही विषय वस्तुओं को केन्द्र के बच्चे कैसे सीखेंगे?

  तैयारी के क्रम में प्रत्येक पाठ के विषय वस्तु की तुलना करने का निर्देश दें। क्रमवार प्रस्तुति कराएँ। तदुपरांत चर्चा को समेकित करते हुए स्पष्ट करें कि केन्द्र की पाठ्य–सामग्री में कई ऐसे तथ्य हैं जिनकी जानकारियों का स्तर कक्षा–V तक के बच्चों में होना चाहिए था। अतएव यह आवश्यक है कि पढ़ाये गये बिन्दु में प्रदत्त जानकारी का स्तर कक्षा पाँच तक होना चाहिए ताकि मुख्यधारा में शामिल होने के पश्चात् ये बच्चे भी खुद को दूसरे बच्चों के समान स्तर के हो सकें। इसके लिए यह भी आवश्यक है कि हम बच्चों की दक्षता विकसित करने हेतु निरंतर प्रयासरत हों तथा उन पाठ्य बिन्दुओं की जानकारी भी बच्चों को दें जो प्रयास–III में छूट गये हों परंतु विद्यालयी पुस्तकों में वे समाहित हैं।

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:58 PM Page 27

प्रयास (भाषा भाग–3) के पाठों में सन्निहित पर्यावरण के तथ्यों का क्रमवार विवरण

क्रम सं.	शीर्षक	पर्यावरण शिक्षण के संभावित बिन्दु (विषय–वस्तु की समझ, प्रश्न एवं क्रियाशीलन के माध्यम से)
1.	देश की माटी, देश का जल (कविता/प्रार्थना)	विषय–वस्तु – देश की मिट्टी, फल–फूल, घर–द्वार के प्रति प्रेम प्रकट करना। देश के नागरिकों की एकता बढ़े– ऐसी कामना करना। प्रश्न – देश के सभी लोग नेक होंगे तो, हमारा देश कैसा होगा? – हमारे देश को किन–किन चीज़ों / बातों की आशा रखनी चाहिए? क्रियाशीलन – शिक्षक / प्रशिक्षक इस कविता को स्वयं गाएँ और बच्चों से सस्वर गाने का अभ्यास कराएँ। – देश के प्रमुख फल–फूलों एवं नदियों की सूची बनाइए।
2.	पानी (लेख)	विषय–वस्तु – पानी की घर एवं प्रकृति में उपयोगिता बताना। – जल–चक्र की समझ विकसित करना। – स्वच्छ–जल, पीने के पानी की आवश्यकता समझना तथा जल की बर्बादी रोकने हेतु बच्चों / प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाना। प्रश्न – हमें पानी कहाँ–कहाँ से प्राप्त होता है? – पानी को साफ रखना हमारी ज़िम्मेवारी क्यों है? – पानी की बर्बादी रोकना क्यों आवश्यक है?

क्रियाशीलन – आपके घर में पानी से कौन-कौन से कार्य होते हैं?
– पानी के अन्दर कौन-कौन से जन्तु रहते हैं? इसकी सूची बनाइए।
– एक चित्र खींचकर जल-चक्र को समझाइए।

---

3. पेड़ (कविता)

विषय-वस्तु – पेड़ हमें फल-फूल, शुद्ध हवा एवं छाया देते हैं इसे समझना और इस संदर्भ में पेड़ की महानता के प्रति संवेदनशील होना।

प्रश्न – हमारे जीवन में पेड़ की क्या उपयोगिता है?
– हम पेड़ पर, ईंट-पत्थर फेंकते हैं, इसकी टहनियाँ काट लेते हैं फिर भी पेड़ हमें फल-फूल लकड़ियाँ आदि पेड़ देते रहते हैं- ऐसा क्यों?

क्रियाशीलन – एक पेड़ का स्वच्छ चित्र बनाकर इसके विभिन्न अंगों के नाम लिखिए।
– किसी बड़े पेड़ के पास जाइए। इसपर रहनेवाले जीव-जन्तुओं का अवलोकन कीजिए। अब इन जन्तुओं की सूची बनाइए।
– ऊपर बनाई गयी सूची से जन्तुओं को निम्नवत् वर्गीकृत करें –
(क) उड़नेवाले जन्तु
(ख) रेंगनेवाले जन्तु
(ग) अत्यंत छोटे जन्तु

---

4. मेहमान आए (कहानी-फंतासी)

विषय-वस्तु – काल्पनिक कहानी, जिसका संबंध उड़न-तश्तरी से है, के माध्यम से पृथ्वी के पर्यावरण को बनाने हेतु बच्चों को संवेदनशील बनाना।

प्रश्न – ओजोन की छतरी क्या है? यह हमारी रक्षा कैसे करती है?

		– वायु प्रदूषण क्या है ? – पेड़-पौधों की संख्या बढ़ने से हम वायु-प्रदूषण से कैसे बचें ?
	क्रियाशीलन	– अपने शिक्षक से पूछकर पता करें कि हमारी पृथ्वी और चाँद के धरती (ज़मीन) में क्या-क्या अन्तर है ? (चर्चा – पूछ-ताछ के उपरान्त सूची बनाए) – हमारे जीवन के लिए क्या-क्या ज़रूरी है ? – इसकी सूची बनाइए जैसे – हवा, पानी ..... – वायु-प्रदूषण बढ़ानेवाले क्रिया-कलापों की सूची बनाइए।
5. गोलू	विषय-वस्तु	– विभिन्न प्रकार के कार्टून में अन्तर्निहित व्यंग/तथ्यों एवं भावों की समझ विकसित करना।
	क्रियाशीलन	– पत्र-पत्रिकाओं से चित्र-कथा / कार्टून आदि संकलित करें। चित्रकथा में निहित व्यंग एवं बातों को लिखें।
6. आ गई होली (कविता)	विषय-वस्तु	– होली प्रेम, आनन्द एवं मस्ती का पर्व है- इसकी समझ बनाना।
	प्रश्न	– होली से हमें क्या सीख मिलती है ? – होली में रंग-अबीर क्यों लगाते हैं ?
	क्रियाशीलन	– होली खेलने के दौरान हमें क्या-क्या सावधानियाँ रखनी है- इसकी सूची बनाइए। – इस कविता को हाव-भाव के साथ गाएँ।
7. टिपटिपवा	विषय-वस्तु	– लोककथा सुनकर इसका आनन्द उठाना एवं

	(लोककथा)	(उद्देश्य)	इसमें छिपे संदेश को जानना तथा इससे प्रेरणा ग्रहण करना।
		प्रश्न	– 'नानी की कहानी' सुनने में आनन्द क्यों आता है?
		क्रियाशीलन	– अपने गाँव के बूढ़े-बुजूर्ग द्वारा कही गयी कहानियों को हाव-भाव के साथ सुनाइए। – अपने ईलाके (क्षेत्र) में गाए जानेवाले किसी लोक-गीत को गाकर सुनाइए।
8.	यह बच्चों की छोटी रेल (कविता)	विषय-वस्तु (उद्देश्य)	– 'बच्चों की रेल' – खेल में छिपे आनन्द भाव को जागृत करना।
		संभावित प्रश्न	– आप कौन-कौन से खेल खेलते हैं? बच्चों द्वारा खेले जानेवाले रेल के खेल में क्या-क्या होता है?
		क्रियाशीलन	– केन्द्र में 'बच्चों की रेल' का खेल खेलाइए। इस खेल के दौरान इस कविता का वाचन करायें।
9.	बीरबल की खिचड़ी (कहानी)	विषय-वस्तु (उद्देश्य)	– बुद्धिमानी से बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान कैसे हो सकता है-इस कहानी के माध्यम से इसे समझना।
		प्रश्न	– बुद्धि बड़ी या बल? – बीरबल ने अपनी बुद्धि के बल पर बादशाह को कैसे मनाया?
		क्रियाशीलन	– बीरबल, तेनाली राम, गोनू झा आदि की कहानियों का संग्रह करें और इसे सुनाएँ। – इस कहानी को एक रोल प्ले (नुक्कड़ नाटक) के रूप में प्रस्तुत कीजिए।

10.	कबड्डी (कविता)	विषय-वस्तु (उद्देश्य)	– कबड्डी के खेल की विशेषताएँ जानना तथा इसमें सन्निहित आनन्द को महसूस करना।
		प्रश्न	– आप कौन-कौन से खेल पंसद करते हैं?
			– कबड्डी आपको क्यों पसंद है?
			– कबड्डी के खेल के एक-दो बोल बताइए?
		क्रियाशीलन	– कबड्डी केन्द्र के बाहर खेलें-खेलवाएँ।
			– अपने क्षेत्रों में खेले जानेवाले खेलों को खेलवाएँ।
			– कविता को वाचन करें और हाव-भाव के साथ कविता को प्रस्तुत करें।
			– खेलों के दौरान स्वत: उत्पन्न होनेवाले मूल्यों की सूची बनाएँ।
11.	बिल्ली कैसे रहने आयी आदमी के संग	विषय-वस्तु (उद्देश्य)	– पालतू जानवरों के साथ मनुष्य के प्रेम का एहसास कराना।
		प्रश्न	– शेर और बिल्ली में क्या समानता है?
			– बिल्ली पालतू जानवर क्यों है?
		क्रियाशीलन	– पालतू एवं जंगली जानवरों की सूची बनाइए।
			– कुत्ते, बिल्ली, शेर आदि के मुखौटे बनाइए। इसे बच्चों को पहनाकर इनकी बोलियाँ बोलने का अभ्यास कराइए।
			– चित्र देखकर बिल्ली और शेर का चित्र बनवाइए।
12.	एक है ललिता (प्रेरक-प्रसंग)	विषय-वस्तु (उद्देश्य)	– पशुओं के लिए घास काटनेवाली एक बालिका (अर्थात् छोटा से छोटा काम करनेवाली निरक्षर किशोरी) कैसे पढ़-लिख कर इज़्ज़त की ज़िन्दगी जी सकती है – इसकी प्रेरणा देना।
		प्रश्न	– क्या आपके आस-पास ललिता सरीखी

		लड़कियाँ हैं? अगर हाँ! तो इसकी कथा सुनाइए।
		– आप ललिता के जीवन से क्या सीख लेते हैं?
		– जगजगी केन्द्र क्या है?
		– अगर आप ललिता के जगह होते तो क्या करते?
	क्रियाशीलन	– आप के आस-पास अगर ललिता जैसे लड़की हो, तो उसके लिए आप क्या-क्या करना चाहेंगे? ऐसे पाँच कार्यों को आप क्रमवार लिखिए।
		– बताइए कि किन-किन कारणों से आपका केन्द्र खोला गया है? इसको क्रमवार लिखिए।

13.	जंगल (कविता)	विषय-वस्तु (उद्देश्य)	– बच्चों को जंगल की उपयोगिता तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु इसके महत्त्व बताना।
		प्रश्न	– जंगल से हमें क्या-क्या प्राप्त होता है?
			– जंगल हमारे साथ कैसा उपकार करते हैं?
			– अगर जंगल उजड़ गए, तो क्या होगा?
			– जंगल में कौन-कौन से जीव-जन्तु रहते हैं?
		क्रियाशीलन	– एक जंगल में केवल शाकाहारी जीव-जन्तु रहते हैं। इसमें एक भी माँसाहारी जन्तु नहीं है। बताइए इस जंगल में आगे चलकर क्या-क्या होगा? क्रमवार लिखिए।
			– पाठ में दिए गए जंगल के चित्र को देखकर इसी तरह का चित्र बनाइए।
			– जंगल में रहनेवाले जन्तुओं की सूची बनाइए।

14.	स्वतंत्रता की ओर (लेख)	विषय-वस्तु (उद्देश्य)	– वार्त्तालाप के माध्यम से नमक सत्याग्रह हेतु दांडी यात्रा की खूबियों को बताना।
			– स्वतंत्रता हमारे लिए क्यों आवश्यक है? – इसे समझना

प्रश्न – अगर हम स्वतंत्र नहीं हुए रहते, तो क्या होता?
– गाँधीजी का आश्रम कहाँ था? वहाँ स्वतंत्रता सेनानी लोग क्या-क्या करते थे?
– धनी क्या चाहता था?
– धनी दांडी यात्रा में क्यों जाना चाहता था?

क्रियाशीलन – अपने आस-पास के स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में अपने गाँव के बुढ़े-बुर्जुग से पूछकर जानकारी इक्ट्ठा करें तथा इसे केन्द्र / कक्षा में सुनाएँ।
– भारत के मानचित्र में साबरमती से दांडी तक जानेवाले सड़क मार्ग को देखें। इसके दौरान इस मार्ग के बीच में पड़नेवाले स्थानों की सूची बनाइए।
– अगर आपके सामने कोई स्वतंत्रता सेनानी आ जाए, तो आप उससे कौन-कौन से प्रश्न पूछेंगे- इसकी क्रमवार सूची बनाइए।
– स्वतंत्रता-दिवस एवं गणतंत्र-दिवस में क्या-अन्तर है? इसे एक सारणी के माध्यम से दर्शाएँ।

---

15. दूब
(कविता)

विषय-वस्तु – दूब की विशेषताओं से परिचित कराना।

प्रश्न – आँधी-तूफान से दूब क्यों नहीं उखाड़ती?
– ओस की बूदें दूब पर क्यों टिक जाती है?
– खेल के मैदान में हरि दूब क्यों उगाई जाती है?

क्रियाशीलन – कुछ दूब इक्कठी करें। इसका गहन निरीक्षण करें तथा बताएँ कि पौधे एवं दूब में क्या अंतर है? इसे सारणी के रूप में प्रस्तुत करें।

	पौधा	दूब
1.		
2.		

3.

– दूब में जीवन बीतानेवाले छोटे-छोटे जन्तुओं की सूची बनाइए।

---

16. मित्र को पत्र

विषय-वस्तु (उद्देश्य)
- पत्र के माध्यम से बालश्रमिकों के प्रति संवेदना उभारना।
- बाल श्रमिकों को पढ़ने-लिखाने के लिए उपलब्ध योजनाओं की जानकारी।
- बालश्रमिक की सफलता की कहानी से प्रेरणा।

प्रश्न
- क्या आप किसी बालश्रमिक को जानते हैं? उसका नाम, पता बताइए।
- बाल मज़दूरी क्यों अपराध है?
- विद्यालय चलो केन्द्र किसके-किसके लिए बनाए गए हैं?

क्रियाशीलन
- बाल मज़दूरों से कराए जानेवाले कार्यों की सूची बनाइए।
- अजय की तरह अगर आप किसी बाल श्रमिक को जानते हैं तो इसकी कथा सुनाइए।
- पत्र के अतिरिक्त संचार के और कौन-कौन से माध्यम हो सकते हैं – इसकी सूची बनाइए।
- किसी पत्र का पता लिखाते समय आपको क्या-क्या लिखाना चाहिए – इसे क्रमवार लिखें।

---

17. जुलाई महीना (कविता)

विषय-वस्तु (उद्देश्य)
- कविता के माध्यम से वर्षा ऋतु की विशेषताएँ बताना।

प्रश्न
- रिम-झिम बारिश में आप अपने दोस्तों के साथ क्या-क्या करते हैं?
- जुलाई माह में क्या-क्या होता है?

– जुलाई माह में होनेवाली बारिश से क्या संदेश मिलता है।

क्रियाशीलन – जनवरी से लेकर दिसम्बर तक एक सूची बनाकर प्रत्येक माह की एक–एक महत्त्वपूर्ण विशेषता लिखिए।

– वर्षा ऋतु में आपके क्षेत्र में कौन–कौन सी फसल उगाई जाती हैं? इसकी सूची बनाएँ।

– इस कविता को याद करें तथा सामूहिक रूप से वाचन करें।

– वर्षा ऋतु से संबंधित एक चित्र बनाइए।

---

18. रक्षा–बन्धन (लेख)

विषय–वस्तु (उद्देश्य) – रक्षा–बन्धन एवं राखी के महत्त्व को बताना।

– रक्षा–बन्धन पर्व में सन्निहित मूल्यों को समझना।

प्रश्न – रक्षा–बन्धन के दिन क्या–क्या होता है?

– भाई को बहन के लिए क्या करना चाहिए?

– रक्षा–बन्धन का पर्व हमें क्या संदेश देता है?

– भाई के हाथ पर राखी बाँधने का क्या अर्थ है?

– महारानी कर्मवती ने बादशाह हुमायूँ को क्यों बुलाया?

क्रियाशीलन – रक्षा–बन्धन की तरह भाई–चारे का संदेश देनेवाले अन्य त्योहारों की सूची बनाइए।

– रक्षा–बन्धन से संबंधित बादशाह हुमायूँ एवं महारानी कर्मवती की कहानी हाव–भाव के साथ सुनाइए।

– रक्षा–बन्धन पर्व के दौरान कौन–कौन से मूल्य उभरते हैं– इसे क्रमवार लिखिए।

– राखी का एक सुन्दर चित्र बनाकर– इसमें रंग भरिए।

– रक्षा–बन्धन पर चार–पाँच पंक्तियों की एक

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 3:59 PM Page 36

कविता की रचना कीजिए।

- रक्षा-बन्धन से संबंधित चित्रों, कविताओं, कहानियों का संकलन करें तथा इसे कक्षा में प्रस्तुत करें।

---

19. नदी का सफ़र (चित्र-कथा)

विषय-वस्तु (उद्देश्य)
- चित्र/मानचित्र के माध्यम से नदियों के सफ़र को समझना।

प्रश्न
- जहाँ से नदी की शुरूआत होती है, उस जगह को क्या कहते हैं?
- नदी जब ऊँचाई से गिरती है तो उसे क्या कहते हैं?
- आगे चलकर नदी को धारा गहरी और चौड़ी कैसे हो जाती है?

क्रियाशीलन
- मानचित्र में गंगा नदी को देखिए तथा इसके किनारे अवस्थित शहरों की सूची बनाइए।
- मानचित्र के माध्यम से बताइए गंगा नदी में कौन-कौन सी सहायक नदियाँ मिली हुई है? - इसकी सूची बनाइए।
- पहाड़ों से निकलती हुई एक नदी का चित्र बनाइए।

---

20. नाव बनाओ, नाव बनाओ

विषय-वस्तु (उद्देश्य)
- बच्चों को नाव बनाकर खेलने के आनन्द को समझना।
- वर्षा के जल में नाव अपनी स्वयं की बनायी नाव से खेलने का आनन्द एवं इसके अन्तर्गत सन्निहित सृजनशीलता को जगाना।

प्रश्न
- काग़ज़ की नाव बनाने के दौरान क्या-क्या सामग्री चाहिए?
- क़ाग़ज़ की नाव किसलिए बनाई जाती है?
- इस कविता से क्या संदेश मिलता है?

क्रियाशीलन – काग़ज़ की सुन्दर-सुन्दर नावें बनाएँ-बनवाएँ।
– काग़ज़ / कूट से बननेवाली अन्य वस्तुयें बनाएँ-बनवाएँ। यथा- क़ाग़ज़ की टोपी, घर का मॉडल, झंडे, कुर्सी, टेबल आदि।
– घास-फूस, गिली मिट्टी से भी विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ बनवाएँ।
– काग़ज़ की टोपी पर चार-पाँच पक्तियों का कविता बनवाएँ।

---

21. हमारे मददगार : संस्थाएँ

विषय-वस्तु (उद्देश्य) – हमें अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए अन्य व्यक्तियों/संस्थाओं पर निर्भर रहना पड़ता है। अत: हमें सभी प्रकार के पेशा करनेवाले व्यक्ति के प्रति आदर भाव रखना चाहिए।
– आपसी प्रशंसा, सद्भाव, सहयोग और आदर का भाव विकसित करना।

प्रश्न – आपके आस-पास कितने तरह के कार्य होते हैं?
– आपके आस-पास होनेवाले कार्यों को करने वाले व्यक्तियों को क्या कहते हैं?

क्रियाशीलन – इस पाठ को अभिनय के रूप में प्रस्तुत करें।
– इस पाठ को अभिनय के रूप में प्रस्तुत करें।
– नीचे दी गयी सूची को दिए गए उदाहरण के अनसार पूरा करें

पेशा का नाम	**इस पेशे को करनेवाले व्यक्ति का नाम**
रोगी का इलाज करना	डॉक्टर
पत्र पहुँचाने वाला	
लोहारगिरी	
विद्यालय में पढ़ाने वाले	
सोनारगिरी	

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 4:00 PM Page 38

न्याय देने वाला

मिठाई बनानेवाला

गाँव का शासन करनेवाला

ऐसी कुछ संस्थाओं के नाम नीचे की सूची में दिए गये हैं।

इन संस्थाओं के कार्य लिखिए।

संस्था का नाम	संस्था का कार्य
बैंक	ऋण देना
ग्राम कचहरी	
डाकघर	
थाना	
प्रखंड	
विद्यालय	

आप अपने आस-पास की पाँच संस्थाओं के नाम तथा उनके प्रधान का नाम एवं पता लिखिए।

ध्यातव्य -

ऊपर अंकित विषय-वस्तु, प्रश्न और क्रियाशीलन आदि साधनसेवी एवं केन्द्र के शिक्षकों को सीखाने-सिखाने की प्रक्रियाओं के तहत कार्य करने हेतु एक दिशा-निर्देश के तौर पर संक्षिप्त रूप में दिए जा रहे हैं। परन्तु ये सभी मात्र कुछ संकेत हैं। साधनसेवी इससे बंधे हुए नहीं हैं। इससे मात्र कुछ सहयोग ले तथा शिक्षण के दौरान नयी-नयी गतिविधियाँ निर्मित करें। विषय-वस्तु की समझ बनाना, प्रश्न पूछना तथा क्रियाशीलन सभी के सभी शैक्षिक गतिविधियों के स्वरूप के बतौर ही दिए गये हैं। इसका सम्यक प्रयोग करना शिक्षण को प्रभावशाली बनाएगा - ऐसी आशा है।

प्रयास भाग-2 भाषा की पुस्तक के रूप में विकसित की गयी है। ऊपर दी गयी सूची इसी पुस्तक के सभी 18 पाठों को पर्यावरण के परिपेक्ष्य में उपयोग करने हेतु दी जा रही है। साधनसेवियों तथा केन्द्र के शिक्षकों के सहयोग एवं नवाचार के माध्यम से इसी पुस्तक का उपयोग पर्यावरण अध्ययन के विषयों की जानकारी देने हेतु किया जा सकता है।

अभियान गीत

लहू का रंग एक है अमीर क्या? गरीब क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

वही है तन, वही है जान कब तलक छुपाओगे?
पहन के रेशमी लिबास तुम बदल न जाओगे।
सभी है एक जाति हम स्वर्ण क्या? अवर्ण क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

गरीब हैं तो इसलिए कि तुम अमीर हो गए।
एक बादशाह हुआ तो सौ फ़कीर हो गए।
ख़ता है सब समाज की, भले बुरे नसीब क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

जो एक है तो फिन न क्यों दिलों का दर्द बाँट लें?
ज़िगर का प्यास बाँट लें लबों की प्यास बाँट लें।
लगा सबको तुम गले हबीब क्या? रक़ीब क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

कोई जने है मर्द तो कोई जनी है औरतें।
शरीर में भले है फ़र्क, रूह सबकी एक है।
एक हैं जो हम सभी विषमता की लकीर क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

Training Moduel=PART-III_Edited.qxd 12/16/2013 4:00 PM Page 45